MASA–03

June – Examination 2023

M.A. (Previous) Examination

SANSKRIT

(भारतीय दर्शन)

Paper : MASA-03

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **80***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **8×2=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (i) नास्तिक दर्शन किसे कहते हैं ?

   (ii) सर्वदर्शन संग्रह के रचयिता कौन हैं ?

   (iii) भारतीय दर्शन में कितने आस्तिक दर्शन हैं ?

(iv) महाभूत कितने होते हैं ?

(v) सांख्य दर्शन में कितनी तन्मात्रा हैं ?

(vi) वेदान्त दर्शन के प्रणेता कौन हैं ?

(vii) सांख्य दर्शन में कितने प्रमाण हैं ?

(viii) न्याय दर्शन में कितने कारण स्वीकार किए गए हैं ?

खण्ड—ब 4×8=32

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का है।

2. न्याय दर्शन के अनुसार प्रमाण को स्पष्ट कीजिए।

3. चार्वाक दर्शन का सामान्य परिचय दीजिए।

4. न्याय दर्शन के अनुसार कारण को संक्षेप में समझाइए।

5. सांख्य दर्शन के अनुसार ज्ञान-मीमांसा को स्पष्ट कीजिए।

6. जैन दर्शन के अनुसार बंधन एवं मोक्ष को स्पष्ट कीजिए।

7. अनुमान प्रमाण को संक्षेप में समझाइए।

8. पंचीकरण से आप क्या समझते हैं ? स्पष्ट कीजिए।

9. वेदान्त दर्शन के अनुसार "ब्रह्मसत्यं जगन्मिथ्या" से आप क्या समझते हैं ?

खण्ड—स 2×16=32

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है।

10. सांख्यकारिका के अनुसार बंधन एवं मोक्ष का सविस्तार वर्णन कीजिए।

11. वेदान्तसार के अनुसार पंचीकरण की प्रक्रिया को स्पष्ट कीजिए।

12. न्याय-वैशेषिक का सामान्य परिचय देते हुए प्रमाण को स्पष्ट कीजिए।

13. सांख्य दर्शन के अनुसार प्रत्यय सर्ग का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।